हिन्दी विभाग

अज्ञेय जयंती : 07 मार्च 2025

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 07 मार्च 2025 को प्रयोगवाद के प्रवर्तक कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी की जयंती मनायी गई। विभागाध्यक्ष डॉ0 रमेश टण्डन ने अभिनव पहल करते हुए छात्रों को ही मंच प्रदान किया। छात्रा यामिनी राठौर के कुशल मंच संचालन में मंचासीन छात्रों के द्वारा सरस्वती पूजन उपरान्त श्रेया सागर और उषा चौहान ने राज्य गीत की प्रस्तुति दी। वक्ता स्वागत के पश्चात् छात्रों में ही विशिष्ट वक्ता के रूप में चयनित दुर्गेश पटेल, नर्मदा राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुन्ती सिदार, अंजलि सिदार, निशा राठिया, जीतु जोशी, मुकेश कुमार राठिया, शशिकला महंत, श्रद्धा कुर्रे व बुबुन घृतलहरे ने अज्ञेय जी पर वक्तव्य प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि द्वय कविता चन्द्रा, गजबाई भारद्वाज, अध्यक्ष मीना बंजारा और मुख्य अतिथि सलीम राठिया ने कवि अज्ञेय जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर मुखरित हुए। विभागीय शिक्षक डॉ0 डायमण्ड साहू ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। विभागाध्यक्ष डॉ0 टण्डन ने कहा कि अज्ञेय प्रतीकवादी कवि नहीं, बल्कि प्रतीकधर्मी कवि हैं। इन्होंने नए वाद की स्थापना के लिए प्रतीकों की सृष्टि नहीं की, बल्कि अपनी भावनाओं को गहराई के साथ व्यक्त करने के लिए नए प्रतीकों को अपनाया। अज्ञेय के अनुसार, प्रतीक अपने आप में अनिष्ट नहीं है : आशंकनीय यह बात होती है कि ये प्रतीक निजी न बन जावें – बन क्या जावें, रह न जावें, क्योंकि निजी को सामान्य बनाना ही तो कवि–कर्म है। व्यापक सत्य को कवि निजी करके देखता है और निजी दृष्टि को फिर साधारण बनाता है। साधारण का वर्णन कविता में नहीं है, कविता तभी होती है तब साधारण पहले निजी होता है और फिर व्यक्तियों से छनकर साधारण होता है। आकांक्षा राठौर को उनके द्वारा पूजन सामग्री के व्यवस्थापन के लिए और छात्र वक्ताओं के प्रति छात्रा बुबुन घृतलहरे ने आभार व्यक्त किया।

जयंती में मंचासीन छात्रों एवं वक्ता छात्रों के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक प्रो0 कुसुम चौहान, प्रो0 अंजना शास्त्री सहित पुष्पेन्द्र राठिया, प्रीति राठिया, उषा चौहान, श्रेया सागर, आकांक्षा राठौर, यामिनी राठौर, मिनाक्षी राठिया, तनुजा राणा, इशिका जाँगड़े, सुचिता पटैल, पूनम राठौर, प्रीति चन्द्रा, तेजकुमारी सिदार, चाँदनी, पूर्णिमा सिदार, सोनू बंजारे की सक्रिय उपस्थिति रही।

07/03/2025 12:29

अज्ञेय जयंती
07 मार्च, 2025
07/03/2025 12:34

अज्ञेय जयंती
07 मार्च 2025
हिंदी विभाग
07/03/2025 12:49

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4h6+gww, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978795° Long 83.112489°
07/03/25 12:48 PM GMT +05:30
Google

अज्ञेय जयंती पर टण्डन ने अभिनव पहल का किया नवाचार

खरसिया(ए)। शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 07 मार्च 2025 को प्रयोगवाद के प्रवर्तक कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी की जयंती मनायी गई। विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टण्डन ने अभिनव पहल करते हुए छात्रों को ही मंच प्रदान किया। छात्रा यामिनी राठौर के कुशल मंच संचालन में मंचासीन छात्रों के द्वारा सरस्वती पूजन उपरान्त श्रेया सागर और उषा चैहान ने राज्य गीत की प्रस्तुति दी। वक्ता स्वागत के पश्चात् छात्रों में ही विशिष्ट वक्ता के रूप में चयनित दुर्गेश पटेल, नर्मदा राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार आदि ने अज्ञेय जी पर वक्तव्य प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि द्वय कविता चन्द्रा, गजबाई भारद्वाज, अध्यक्ष मीना बंजारा और मुख्य अतिथि सलीम राठिया ने कवि अज्ञेय जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर मुखरित हुए। जयंती में मंचासीन छात्रों एवं वक्ता छात्रों के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक प्रो. कुसुम चैहान, प्रो. अंजना शास्त्री सहित पुष्पेन्द्र राठिया, प्रीति राठिया, उषा चैहान, श्रेया सागर, आकांक्षा राठौर आदि की सक्रिय उपस्थिति रही।

अज्ञेय जयंती पर विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टण्डन ने अभिनव पहल करते हुए किया नवाचार

दबंग दुनिया ♦ खरसिया

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में दिनांक 07 मार्च 2025 को प्रयोगवाद के प्रवर्तक कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी की जयंती मनायी गई। विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश टण्डन ने अभिनव पहल करते हुए छात्रों को ही मंच प्रदान किया। छात्रा वामिनी राठौर के कुशल मंच संचालन में मंचासीन छात्रों के द्वारा सरस्वती पूजन उपरान्त श्रेया सागर और उषा चैहान ने राज्य गीत की प्रस्तुति दी। वक्ता स्वागत के पश्चात छात्रों में ही विशिष्ट वक्ता के रूप में चयनित दुर्गेश पटेल, नमर्दा राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुन्ती सिदार, अंजलि सिदार, निशा राठिया, जीतु जोशी, मुकेश कुमार राठिया, शशिकला महंत, श्रद्धा कुर्रे व बुबुन घृतलहरे ने अज्ञेय जी पर वक्तव्य प्रस्तुत किए। विशिष्ट अतिथि द्वय कविता चन्द्रा, गजबाई भारद्वाज, अध्यक्ष मीना बंजारा और मुख्य अतिथि सलीम राठिया ने कवि अज्ञेय जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर मुखरित हुए। विभागीय शिक्षक डॉ. डायमण्ड साहू ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. टण्डन ने कहा कि अज्ञेय प्रतीकवादी कवि नहीं, बल्कि प्रतीकधर्मी कवि हैं। इन्होंने नए वाद की स्थापना के लिए प्रतीकों की सृष्टि नहीं की, बल्कि अपनी भावनाओं को गहराई के साथ व्यक्त करने के लिए नए प्रतीकों को

अपनाया। अज्ञेय के अनुसार, प्रतीक अपने आप में अनिष्ट नहीं हैः आशंकनीय यह बात होती है कि ये प्रतीक निजी न बन जावें - बन क्या जावें, रह न जावें, क्योंकि निजी को सामान्य बनाना ही तो कवि-कर्म है। व्यापक सत्य को कवि निजी करके देखता है और निजी दृष्टि को फिर साधारण बनाता है। साधारण का वर्णन कविता में नहीं है, कविता तभी होती है तब साधारण पहले निजी होता है और फिर व्यक्तियों से छनकर साधारण होता है। आकांक्षा राठौर को उनके द्वारा पूजन सामग्री के व्यवस्थापन के लिए और छात्र वक्ताओं के प्रति छात्रा बुबुन घृतलहरे ने आभार व्यक्त किया। जयंती में मंचासीन छात्रों एवं वक्ता छात्रों के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक प्रो. कुसुम चैहान, प्रो. अंजना शास्त्री सहित पुष्पेन्द्र राठिया, प्रीति राठिया, उषा चैहान, श्रेया सागर, आकांक्षा राठौर, यामिनी राठौर, मिनाक्षी राठिया, तनुजा राणा, इशिका जाँगड़े, सुचिता पटैल, पूनम राठौर, प्रीति चन्द्रा, तेजकुमारी सिदार, चाँदनी, पूर्णिमा सिदार, सोनू बंजारे की सक्रिय उपस्थिति रही।